

प्रेषक,

डॉ० रणबीर सिंह,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

समाज (सैनिक) कल्याण अनुभाग-3

देहरादून

दिनांक 18 नवम्बर, 2010

**विषय:** चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष की विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशियों की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, अपने पत्रांक संख्या:-2002/बजट/सै.क./ना.प्लान/10-11/ दिनांक 20 अक्टूबर, 2010 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। तत्क्रम में वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या:-187/XXVII(1)/2010 दिनांक 30 मार्च, 2010 की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में सैनिक कल्याण विभाग से संबंधित अनुदान संख्या-15 के आयोजनेत्तर पक्ष की विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशियों को संलग्नक के अनुसार ₹ 4,50,55,000/- (₹ चार करोड़ पचास लाख पचपन हजार मात्र) की धनराशि को चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में वित्त विभाग के उक्त शासनादेश एवं निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन निर्वतन पर रखते हुये व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या:-187/XXVII(1)/2010 दिनांक 30 मार्च, 2010 में उल्लिखित समस्त शर्तों एवं दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
2. उक्त मदों में व्यय करने से पूर्व सक्षम स्तर का अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाय।
3. अनुदान के अंतर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।

4. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नए कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
5. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका के अंतर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
6. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहे वह वेतन आदि के संबंध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के संबंध में, सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या-15 तथ आयोजनेत्तर शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार, कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
7. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिये यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
8. मितव्ययता के संबंध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
9. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अंतर्गत अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
10. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्त पुस्तिका के प्राविधानों के अंतर्गत समय-सारिणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
11. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
12. समस्त चालू निर्माण कार्य, नए निर्माण कार्य, उपकरण व संयंत्र का क्रय, वाहन का क्रय एवं कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय की स्वीकृतियों के लिए औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को पृथक से उपलब्ध कराएं।
13. बी0एम0-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
14. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-15 के अंतर्गत संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा।
15. यह आदेश वित्त विभाग के आदेश संख्या:-154(NP)/XXVII(1)/2010 दिनांक 16 नवम्बर, 2010 में दिये गये निर्देशानुसार जारी किए जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,  
(डॉ० रणबीर सिंह)  
सचिव।

**पृष्ठांकन संख्या: 590 (1)/XVII-3/10-09(16)/2010 तददिनांकित।**

**प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—**

1. निजी सचिव—मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव—मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मण्डलायुक्त, गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
5. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग—03, उत्तराखण्ड शासन।
10. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. आदेश पत्रिका।

आज्ञा से,

(डॉ० रणबीर सिंह)  
सचिव।



1. अनुदान संख्या	15 आयोजनेतर	मतदेय
मुख्य शीर्षक :	2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण	
उप मुख्य शीर्षक :	60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम	
लघु शीर्षक :	200-अन्य कार्यक्रम	
उप शीर्षक :	03-सैनिक कल्याण	
ब्यौरेवार शीर्षक :	01-सैनिक मुख्यालय	

(धनराशि हजार ₹ में)

मानक मद	मुख्य बजट (2010-11) में प्राविधानित धनराशि	प्रथम अनुपूरक मांग (2010-11) में प्राविधानित धनराशि	कुल बजट प्राविधान (2010-11)	पूर्व में आवंटित धनराशि	वर्तमान में आवंटित की जा रही धनराशि
01-वेतन	40000	10000	50000	40000	10000
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	600	100	700	600	100
29-अनुरक्षण	400	—	400	200	200
योग	41000	10100	51100	40800	10300

2. अनुदान संख्या	15 आयोजनेतर	मतदेय
मुख्य शीर्षक :	2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण	
उप मुख्य शीर्षक :	60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम	
लघु शीर्षक :	200-अन्य कार्यक्रम	
उप शीर्षक :	03-सैनिक कल्याण	
ब्यौरेवार शीर्षक :	06-विशिष्ट सेवाओं के प्रतिफल में पेंशन तथा पुरस्कार अनुदान	

(धनराशि हजार ₹ में)

मानक मद	मुख्य बजट (2010-11) में प्राविधानित धनराशि	प्रथम अनुपूरक मांग (2010-11) में प्राविधानित धनराशि	कुल बजट प्राविधान (2010-11)	पूर्व में आवंटित धनराशि	वर्तमान में आवंटित की जा रही धनराशि
20-सहायक अनुदान/अंशदान/ राज सहायता	100	25	125	100	25
योग	100	25	125	100	25

3. अनुदान संख्या 15 आयोजनेत्तर मतदेय

मुख्य शीर्षक :	2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण
उप मुख्य शीर्षक :	60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम
लघु शीर्षक :	200-अन्य कार्यक्रम
उप शीर्षक :	03-सैनिक कल्याण
व्यौरेवार शीर्षक :	07-वार-टू-सेना मेडल के पुरस्कार प्राप्त राज्य सैनिकों को एकमुश्त अनुदान/एन्यूटी

(धनराशि हजार ₹ में)

मानक मद	मुख्य बजट (2010-11) में प्राविधानित धनराशि	प्रथम अनुपूरक मांग (2010-11) में प्राविधानित धनराशि	कुल बजट प्राविधान (2010-11)	पूर्व में आवंटित धनराशि	वर्तमान में आवंटित की जा रही धनराशि
42-अन्य व्यय	4500	12000	16500	4500	12000
योग	4500	12000	16500	4500	12000

4. अनुदान संख्या 15 आयोजनेत्तर मतदेय

मुख्य शीर्षक :	2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण
उप मुख्य शीर्षक :	60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम
लघु शीर्षक :	200-अन्य कार्यक्रम
उप शीर्षक :	03-सैनिक कल्याण
व्यौरेवार शीर्षक :	09-उत्तराखण्ड के निवासी द्वितीय विश्व युद्ध के भूतपूर्व सैनिकों एवं उनकी आश्रित विधवाओं को पेंशन

(धनराशि हजार ₹ में)

मानक मद	मुख्य बजट (2010-11) में प्राविधानित धनराशि	प्रथम अनुपूरक मांग (2010-11) में प्राविधानित धनराशि	कुल बजट प्राविधान (2010-11)	पूर्व में आवंटित धनराशि	वर्तमान में आवंटित की जा रही धनराशि
42-अन्य व्यय	65000	22730	87730	65000	22730
योग	65000	22730	87730	65000	22730

(धनराशि हजार ₹ में)

महायोग	110600	44855	155455	110400	45055
--------	--------	-------	--------	--------	-------

(₹ चार करोड़ पचास लाख पचपन हजार मात्र)

(डा० रणबीर सिंह)  
सचिव।